



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7]
No. 7]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 11, 1984/चैत्र 22, 1906
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 11, 1984/CHAITRA 22, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[आयकर अधिनियम 1961 (1961 की धारा 43) की धारा 269
घ(1) के अधीन सूचनाएं]
रोहतक, 23 मार्च, 1984

निवेदन सं. देहली/29/83-84 :—अतः मुझे, आर.के. भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है
और जिसको सं. फीटदरी भूमि क्षे. 10500 ब. मी. है तथा जो
फिरोजपुर खेड़ा (राई) सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 18)
के अधीन तारीख जुलाई, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवृत्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रति-
फल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरीकी) और
अन्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बनने में
सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को
जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11)
या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या
धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (**) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती रामरती पत्नी लक्ष्मी नारायण अग्रवाल
- (2) श्रीमती कान्ता अग्रवाल पत्नी प्रेम नारायण

(3) श्रीमती उषा अग्रवाल पत्नी श्री इन्द्र नारायण

(4) श्री दीपक अग्रवाल पुत्र लक्ष्मी नारायण
नि. 19/7, शक्ति नगर, देहली
(अन्तरक)

2. मँ. शारदा आयल इन्डस्ट्रीज प्रा. लि., ए-13, नारेन्स रोड, देहली द्वारा श्री बाल चन्द शारदा पुत्र स्व. श्री कालू राम शारदा नि. ए-13, नारेन्स रोड, देहली

(अन्तरगति)

(3)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति के हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके सूच्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही को शुरू करता है, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर सूच्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें सूच्योक्त शब्दों की जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्ट्री लक्ष्मी इन्डस्ट्रीज 10500 वर्ग मी. क्षेत्र पर बनी हुई है जो कि 20/7 लाइन्स रोड, जी. टी. रोड, करनाल गाँव फिरोजपुर (राई) जि. गोगीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्री संख्या 1076 दिनांक 14-7-83 पर दिया है ।

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE, ROHTAK.

Notices under Section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

Rohtak, the 23rd March, 1984

Ref. No. DLI/29/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory building measuring 10,500 sq. metres Situated at Vill. Ferospur Khadar (Rai), Sonapat. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in

the office of the Registering Officer at Delhi, in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Ram Rati W/o Laxmi Narain Aggarwal, 2. Smt. Kanta Aggarwal W/o Sh. Prem Narian Aggarwal, 3 Smt. Usha Aggarwal W/o Sh. Inder Narain Aggarwal 4. Shri Deepak Aggarwal S/o Sh. Laxmi Narain all rs/o 19/7, Shakti Nagar, Delhi (Transferor).---

(2) M/s Sharda Oil Industries (P) Ltd. A-13, Lawrence Road, Delhi through Shri Bal Chand Sarda S/o Shri Late Kalu Ram Sarda r/o A-13, Lawrence Road, Delhi. (Transferor)

(3) (Person in occupation of the Property)

(4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory known Laxmi Industries built on a plot measuring 10,500 sq. meters (18 kanals) situated at 20/78 Mile-stone, G. T. Karnal Road Village Ferozpur (Rai) Distt. Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1076 dated 14-7-1983 with the S. R. Delhi.

रोहतक, 20 मार्च, 1984

निवेदन सं. रेवाड़ी/14/83-84 :—अतः मुझे आर.के. भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह दिव्या करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है और जिसको स. बिन्डिंग का 1/4 भाग है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय रेवाड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 18) के अधीन तारीख जुलाई, 1984 को पृथक् सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरीकी) और अन्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में दर्जित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हे भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री प्रजन कुमार पुत्र पन्ना लाल पुत्र श्री रघुनाथ सहाय जैन नि. रेवाड़ी

(अन्तरक).

श्री संजय कुमार जैन पुत्र प्रजन कुमार नि. रेवाड़ी (अन्तरित)

(2) श्रीमती मौसम लता पत्नी श्री हनुमान प्रसाद पुत्र श्री परमराज बन्सल नि. रेवाड़ी माफि स. बन्सल ट्रेडिंग का., अनाज मण्डी, रेवाड़ी ।

(3)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति के हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके सुपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति बिन्डिंग का 1/4 भाग रेवाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रेवाड़ी में, रजिस्ट्री संख्या 1054 दिनांक 28-7-1983 कर दिया है ।

Rohtak, the 20th March, 1984

Ref. No. RWR/14/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in building Situated at Rewari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at July, 1983 in Rewari for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parjan Kumar S/o Panna Lal S/o Shri Raghunath Sahai Jain R/o Rewari Sh. Sanjay Kumar Jain S/o Sh. Parjan Kumar R/o Rewari. (Transferor)
- (2) Smt. Mosam Lata W/o Sh. Hanuman Parshad S/o Shri Paras Ram Bansal r/o Rewari c/o M/s Bansal Trading Company, Anaj Mandi, Rewari. (Transferee)

(3)

(Person in occupation of the Property)

* (4) —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

*[Strike off where not applicable]

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share of building situated at Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1054 dated 28-7-1983 with the S.R. Rewari.

निर्देश सं. रेवाड़ी/13/83-84 :—अ. गृह आर के. भयाना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है और जिसको स. धिल्डिंग का 1/4 भाग है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्ग्राही में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय रेवाड़ी में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, (1908 का 18) के अधीन तारीख जूलाई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गृहों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरीकी) और अन्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पड़ा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बनने में सुविधा के लिए और ; य।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग्राही में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (††) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री संजीव कुमार जैन पुत्र प्रजन कुमार जैन द्वारा श्री प्रजन कुमार नि. रेवाड़ी (अन्तरक)
- (2) श्री सुरेश चन्द्र पुत्र श्री परस राम पुत्र श्री थम्बू राम माफत म. बन्सल ट्रेडिंग कं., अनाज मण्डी रेवाड़ी । (अन्तरित)
- (3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।
- (4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति को हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके संपूर्ण सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करनी है उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तामिल में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/4 भाग रेवाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रेवाड़ी में रजिस्ट्री संख्या 1049, दिनांक 27-7-1983 पर दिया है।

Ref. No. RWR/13/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in building situated at Rewari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July, 1983 in Rewari for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Sec-

tion 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sanjay Kumar Jain S/o Parjan Kumar Jain through Shri Parjan Kumar r/o Rewari (Transferor)
- (2) Shri Suresh Chand s/o Shri Paras Ram S/o Shri Thambu Ram c/o M/s Bansal Trading Company, Anaj Mandi, Rewari. (Transferee)
- (3) (Person in occupation of the Property)
- (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share in building situated at Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1049 dated 27-7-1983 with the S.R. Rewari.

निवेश सं. बहादुरगढ़/9/83-84 :—अतः मुझे आर के. भयाना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट 700 व. ग. है तथा जो सांखोल (बहादुरगढ़) में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहादुरगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख जुलाई, 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से वृद्धमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वृथापूर्वोक्त सम्पत्ति

*[Strike off where not applicable.]

का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरीकी) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बनने में सुविधा के लिए और ; या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (††) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री सुरेश चन्द्र पुत्र श्री नारायण दास पुत्र श्री नन्द किशोर माफत में अम्बा इण्डस्ट्रीज, 0/28 इण्डस्ट्रियल एरिया, बहादुरगढ़ । (अन्तरक)

1. श्रीमती आशा लूथरा, पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार लूथरा
2. श्रीमती आदर्श लूथरा, पत्नी श्री विरेन्द्र कुमार लूथरा नि. 2694, देशबन्धु गुप्ता रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-5 । (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।
- (4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति के हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके सुपरोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही या शुरू करना है उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर सुपरोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही वर्ध होना जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 700 ब. ग. सांखोल, महावीर पार्क, बहादुरगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहादुरगढ़ में रजिस्ट्री सख्या 1878 दिनांक 29-7-1983 पर दिया गया है ।

Ref. No. BDR/9/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 700 sq. yards situated at Sankhol (Bahadurgarh) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhadurgarh in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Chander s/o Sh. Narain Dass S/o Sh. Nand Kishore C/o M/s. Amba Industries, 0/28, Industrial Area, Bahadurgarh (Transferor).
- (2) 1. Smt. Asha Luthra W/o Shri Surinder Kumar Luthra 2. Smt. Adarsh Luthra W/o Sh. Virinder Kumar Luthra R/o 2694, Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi-5. (Transferee).
- (3) (Person in occupation of the Property)

* (4) —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property being land measuring 700 sq. yards situated at Sankhol, Mahabir Park Bahadurgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1876 dated 29-7-1983 with the S. R. Bahadurgarh.

निर्देश सं. बल्लभ गढ़/141/83-84 :—अतः मुझे आर. के. भगाना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. इण्डस्ट्रियल प्लॉट नं. 4 क्षे. 2383 घ. ग. है तथा जो टाउनशिप, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बल्लभ गढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 18) के अधीन तारीख जुलाई 1984 को पंजीकृत सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरीक्षी) और अन्तरिणी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उसके बनने में सुविधा के लिए और ; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (†) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती बमन्त कौर पत्नी श्री करतार सिंह पुत्र श्री लच्छा राम —1/2 भाग, (अन्तरक)

2. श्री कलदीप सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र श्री लच्छा राम —1/4 भाग

3. श्री करतार सिंह पुत्र श्री लच्छा राम 1/4 भाग नि. 1-ए-128 न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद। (अन्तरक)

मै. हरिपणन ग्राफिक इन्वपमेंट्स, प्लॉट नं. 9, धर्म-कान्त रोड, मुजंगर, फरीदाबाद।

श्रीमती वारोपत बर्मा, श्रीमती नारायणी बेबी, श्रीमती ललिता शर्मा हिस्सेदार। (अन्तरिणी)

(3) (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

(4) (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति के हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके संपूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही या शुरू करना है उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इण्डस्ट्रियल प्लॉट नं. 4, क्षे. 2383 व. ग. टाउनशिप फरीदाबाद में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभ गढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 5332, दिनांक 21-7-1983 पर दिया है।

भार. के. भगाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

Ref. No. BGR/141/83-84.—Whereas I, R. K. Bhayana, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial plot No. 4 measuring 2383 sq. yds. Situated at Township, Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Basant Kaur W/o Sh. Kartar Singh s/o Lachha Ram 1/2 share. 2. Sh. Kuldeep Singh s/o Kartar Singh s/o Sh. Lachha Ram 1/4 share 3. S. Kartar Singh s/o Lachha Ram 1/4 share r/o 1-A-123, New Township, Faridabad.

(Transferor.—

- (2) M/s Haryana Graphic Equipments Plot No. 9, Dharam Kanta Road, Mujesar, Faridabad Smt. Daropat Verma, Smt. Naraini Devi Smt. Lalita Sharma-partners — (Transferee)

- (3) (Person in occupation of the Property)

*(4)—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 4 measuring 2383 sq. yads situated at Township Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5332 dated 21-7-1983 with the S. R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA, Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Rohtak)

Date : 20-3-1984

Seal :

*[Strick off where not applicable]